

नवधाभक्ति (9)	श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवन, अर्चन, वंदन, दास्य, सख्य, आत्मनिवेदन।
नवनिधि (9)	पद्म, महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकंद, कुंद, नील, खर्व।
नक्षत्र (27)	अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वभाद्रपद, उत्तरभाद्रपद, रेवती।
पंचकन्या (5)	अहिल्या, द्रौपदी, तारा, कुंती, मंदोदरी।
पंचगव्य (5)	दूध, दही, मक्खन, गोबर, गोमूत्र।
पंचमकार (5)	मद्य, मत्स्य, मांस, मुद्रा, मैथुन।
पंच तत्त्व (5)	पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु, आकाश।
पंचपाप (5)	हिंसा, चोरी, असत्य, आधिपत्य, व्यभिचार।
पदार्थ (4)	धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष।
प्रयाग (11)	प्रयागराज, देवप्रयाग, रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नंदप्रयाग, विष्णुप्रयाग, इंद्रप्रयाग, सोनप्रयाग, हरिप्रयाग, गुप्तप्रयाग, केशवप्रयाग।
प्रहर (8)	पूर्वाह्न, मध्याह्न, अपराह्न, प्रदोष, निशीथ, ब्रह्म, ऊषा, प्रातः।
प्राण (5)	प्राण, अपान, व्यान, उदान, समान।
पुराण (18)	ब्रह्म, पद्म, विष्णु, शिव, भागवत, नारद, अग्नि, मार्कंडेय, वाराह, स्कंद, वामन, कूर्म, मत्स्य, गरुड़, भविष्य, ब्रह्मवैवर्त, लिंग, ब्रह्मांड।
भक्त (4)	आर्त, जिज्ञासु, अर्थार्थी, ज्ञानी।
भुवन (14)	(लोक-7) भूलोक, भुवलोक, स्वर्गलोक, महलोक, जनलोक, तपलोक, सत्यलोक। (पृथ्वी-7) अतल, वितल, सुतल, महातल, तलातल, रसातल, पाताल।
मणि (4)	कौस्तुभ, चिंतामणि, अमिवर्त, स्यमंतक।
मातृका (16)	गौरी, पद्मा, शची, मेधा, सावित्री, विजया, जया, देवसेना, स्वधा, स्वाहा, शान्ति, धृति, पुष्टि, तुष्टि, मातृ, आत्मदेवता।
योनि (4)	स्वेदज, उद्भिज, अंडज, जरायुज।
रत्न (9)	माणिक्य, मोती, मूंगा, पन्ना, पुखराज, हीरा, नीलम, गोमेद, लहसुनिया।